Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-AEC1-105

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : प्रथम
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : पंचम
संस्कृत वाङ्मय का इतिहास

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. ईशोपनिषद् के महत्व को सप्रमाण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
2. वैदिक इतिहास की प्राचीन ज्ञान परम्पराओं में वर्णाश्रम के महत्व को स्पष्ट करें।
3. भारतीय समाज में रामायण का महत्व स्पष्ट करते हुए इसके जीवन दर्शन पर अपने विचार लिखें।
4. सभी दर्शनों के रचनाकारों के नाम तथा सूत्र के भाष्यकारों का नाम लिखकर परिचय दें।
5. समुद्र मन्थन की कथा बतायें एवं समुद्र मन्थन से प्राप्त रत्नों का विवरण दें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. रामायण के काण्डों के नाम क्रमवार लिखें।
7. कठोपनिषद् के सार की विवेचना कीजिए।
8. मानव-जीवन में योग-दर्शन के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।
9. मण्डन मिश्र एवं शंकराचार्य के बीच हुए शास्त्रार्थ के विषय में व्याख्या करें।
10. उपनिषद् वाङ्मय का सामान्य परिचय दीजिए।
11. वेदांगों का नाम लिखकर परिचय दें।
12. महाभारत युद्ध के विषय में संक्षेप में लिखें।

----------X----------